कृतिका

कक्षा - 10

Experiment/Activity No. Date Page No.

पाठ 1 गाता का आँचल

[शिवपूजन सहाय]

प्र०:- प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक लगाव था, फिर भी विपत्ति के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है. आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?

उ०:- पाठ के आधार पर वास्तव में लेखक बचपन में अपने पिता से अधिक जुड़ा रहता है, क्योंकि उसके पिता उसके साथ दोस्तों का सा व्यवहार करते थे, किन्तु विपत्ति के समय सभी बच्चों को अतिरिक्त लाड़ की आवश्यकता होती है. यह ममता और कोमलता माँ से ही मिल सकती है. यही कारण है कि खेलते हुए लेखक को जब साँप दिखाई दिया तो वह भागकर पिता को छोड़कर माँ की गोद में जा छिपता है, क्योंकि माँ का लाड़ बच्चे के घाव में मरहम का काम करता है।

प्र०:- भोलानाथ और उसके साथियों के खेल की सामग्री और खेल, आपके खेल और खेल की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है?

उ०:- परिवर्तित होते समाज में आज प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चों का बड़ा ध्यान रखते हैं, वह अपने

Teacher Signature

Experiment/Activity No. ____ Date ____ Page No. ____

बच्चों को गली मुहल्लों में आजादी से घूमने नहीं देते, और समाज में फैली अनेक विकृतियों ने भी बच्चों को घर में रहने को मजबूर कर दिया है। आज बच्चे घर में ही रहकर अनेक तरह के वीडियो गेम एवं इंटरनेट और अन्य तरह के खेल खेलते हैं। आज बच्चों का उन्मुक्त हुड़दंग, भाग दौड़, हँसी ठठोली और शरारतें लगभग समाप्त हो गयी हैं अतः आज का युग पहले की तुलना में अधिक बनावटी और रसहीन हो गया है।

प्र०:- इस उपन्यास में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है, आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह के परिवर्तन दिखाई देते हैं?

उ०:- तत्कालीन ग्रामीण संस्कृति से वर्तमान ग्रामीण संस्कृति बहुत बदली है। उस समय गाँवों में कुओं से सिंचाई, हल बैल से खेती और बच्चों के खेल मिट्टी से बने होते थे, किंतु वर्तमान समय में नलकूपों से सिंचाई, ट्रैक्टर एवं अनेक रासायनिक अब उर्वरकों से खेती और बच्चों के खेलने के सामान महँगे इलैक्ट्रोनिक उत्पाद आदि हैं। आज ग्रामीण संस्कृति की मौज मस्ती और आनंद समाप्त होकर भविष्य की प्रगति की सोच सभी के सिर पर सवार है।

Teacher Signature

Experiment/Activity No.____ Date ____ Page No. ____

प्र० बच्चे अपने माता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

उ०:- बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को उनके साथ समय बिताकर, उनके साथ खेलकर, उनकी गोद या कंधे पर बैठकर आदि अनेक प्रकार से प्रकट करते हैं। इसके अलावा उनके रसोई आदि के कार्यों में उनकी सहायता करके और अनेक शुभ अवसरों पर चित्रकला आदि के माध्यम से अपने प्रेम को अभिव्यक्त करते हैं;

— o —

Teacher Signature